ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–71

दिनांक: मंगलवार, 15 सितम्बर, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0 एवं 24.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 77 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.1 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.2 एवं दोपहर में 35.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 3.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(16–20सितंबर, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 16 से 20 सितंबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में आसमान में हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते हैं। ज्यादातर स्थानों पर छिटपुट वर्षा होने की संभावना है। 16–18 सितंबर के आसपास के अनेक स्थानों हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इस दौरान बेगूसराय और पश्चिमी चंपारण जिलों में गरज–चमक के साथ अच्छी वर्षा होने का अनुमान है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 32–35°C तथा न्यूनतम तापमान 23–27°C के बीच रहने की संभावना है। हलांकि, गोपालगंज में न्यूनतम तापमान अपेक्षाकृत अधिक, लगभग 29–30°C रह सकता है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 80–95% तथा दोपहर में 55–65% के आसपास रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी या दक्षिण–पूर्वी दिशा से 8–12 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- अरहर: अरहर की बुआई समाप्त करने का प्रयास करें। बुआई के लिए *शरद, पूसा*–9 एवं *राजेंद्र अरहर*–1 उपयुक्त किस्में हैं। अरहर की खेती उच्चास जमीन में करें। 45–50 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर की दर से 30 × 10–15 सेमी दूरी पर बुआई करें। 20 किग्रा नत्रजन, 45 किग्रा फास्फोरस, 20 किग्रा पोटाश एवं 20 किग्रा सल्फर प्रति हेक्टेयर दें। बुआई के 25–30 दिन बाद 10 किग्रा नत्रजन प्रति हेक्टेयर (22 किग्रा यूरिया) की टॉप ड्रेसिंग करें। जिंक की कमी वाली मिट्टी में 25 किग्रा जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर दें।
- गन्ने: किसान बन्धुओ को सलाह दी जाती हैं कि निचली भूमि में जल जमाव कि संभावना होने पर गन्ने की फसल में कीट या बीमारी का प्रकोप बढ़ने कि संभावना होती है। इस परिस्तिथि में जल निकासी का समूचित उपाय अवश्य करना चाहिए। खेत में लालसर, सूखा का प्रारंभिक प्रकोप दिखाई देने पर रोग ग्रस्त झुड़ को जड़ के साथ खेतो से निकाल दे एवं रोग ग्रस्त जड़ क्षेत्र (रुट जोन) में कार्बेन्डाजिम अथवा थियोफेनेट मिथाइल का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी कि दर से घोल बनाकर ड्रेंचिंग करें।
- धान: धान की फसल में खैरा रोग की नियमित निगरानी करें, जो सामान्यतः जिंक की कमी से संबंधित होता है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर 5 किग्रा जिंक सल्फेट 2.5 किग्रा चूना को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से पत्तियों पर छिड़काव करें। अगेती बोई गई धान की फसल में दूधियाध्दाना भरने की अवस्था के दौरान गंधी बग के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। इसके प्रकोप से दाने सफेद एवं खोखले हो सकते हैं। कीट दिखाई देने पर प्रभावी नियंत्रण के लिए फोलिडोल चूर्ण दवा 10–15 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से सुबह या शाम के समय प्रयोग करें।
- फूलगोभी: मध्य अवधि वाली *पूसा हिम ज्योति, डी*–96 एवं पंत शुभ्रा की रोपाई इस माह करें। एक हेक्टेयर के लिए 350–400 ग्राम बीज पर्याप्त है। रोपाई से पहले 20–25 टन अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर दें। 120 किग्रा नत्रजन, 60–80 किग्रा फास्फोरस एवं 40–60 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर के साथ 10–15 किग्रा बोरेक्स एवं 1–2 किग्रा अमोनियम मोलिब्डेट प्रति हेक्टेयर दें।
- पत्तागोभी: पत्तागोभी की बुआई जारी रखें। *पूसा ड्रम हेड* एवं *पूसा अगेती* उपयुक्त किस्में हैं। 500 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई करें तथा 50–60 × 40–50 सेमी दूरी रखें। 20–25 टन सड़ी गोबर की खाद के साथ 120 किग्रा नत्रजन, 80 किग्रा फास्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें।
- मूंग एवं उड़दः पीला शिरा मोजेक रोग की नियमित निगरानी करें। रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करें। सफेद मक्खी का प्रकोप होने पर इमिडाक्लोरोप्रिड दवा 0.3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी या ट्रायजोफॉस 40 ईसी दवा 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- कद्दूवर्गीय फसलें: लौकी, तोरई, करेला, खीरा एवं नेनुआ में फल मक्खी के प्रकोप की निगरानी करें। संक्रमित फलों को एकत्र कर गहराई में दबाएं तथा 4–8 फल मक्खी ट्रैप प्रति एकड़ की दर से लगाएं।
- दुधारू पशु: संक्रामक रोगों से बचाव के लिए पशु चिकित्सक की सलाह का पालन करें। मक्खी, मच्छर एवं अन्य कीटों के नियंत्रण हेतु पशुशाला के आसपास चूने के पानी का छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.6 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी